नोट - बिहार बोर्ड कक्षा 12वीं Sent Up Exam के econimics
(अर्थशास्त्र) में पूछे गये SUBJECTIVE प्रश्नों का उत्तर दिया गया हैं

SECTION 'B' (SUBEJCTIVE QUESTION)

प्रश्न संख्या 1 से 30 तक लघु उत्तरीय प्रश्न है । किन्ही 15 प्रश्नों का उत्तर दें

2. उत्तर- सामान्य तौर से वस्तुओं की माँग की लोच केवल तीन प्रकार की होती है- लोचदार माँग, अधिक लोचदार माँग तथा बेलोच माँग।

3. उत्तर- उत्पादन के वे साधन होते हैं, जिनकी मात्रा में, उत्पादन के स्तर में परिवर्तन के साथ, परिवर्तन नहीं किया जा सकता । उदाहरण के लिए, भूमि, मशीन आदि की मात्रा में अल्पकाल में परिवर्तन नहीं किया जा सकता।

4. उत्तर- मांग में कमी की स्थिति को प्रबंधित करने के लिए सार्वजनिक कार्यों पर सरकारी खर्च को यथासंभव बढ़ाया जाना चाहिए। इससे कुल मांग में वृद्धि होगी

5. उत्तर- घरों से व्यवसायों तक संसाधनों और सेवाओं के प्रवाह और व्यवसायों से घरों तक उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही को वास्तविक प्रवाह कहा जाता है।

7. उत्तर- गिफीन वस्तुएं किसे कहते हैं? गिफीन वो वस्तुएं हैं जिनकी कीमत बढने के साथ मांग बढ जाती है और कीमतें कम होते ही मांग घट जाती हैं।

8. उत्तर- कृषक द्वारा लगान तथा मजदूरी दोनों का भुगतान तथा उसके द्वारा कच्चे माल पर किए गये व्यय को स्पष्ट लागत भी कहते हैं। स्पष्ट लागत को उत्पादक द्वारा दोनों स्थिर में मिलता है

9. उत्तर- एकाधिकारी प्रतियोगिता में फर्म विज्ञापन, बिक्री प्रोत्साहन तथा उत्पाद विकास आदि पर व्यय करती है । अतः इस बाज़ार में केवल कीमत उत्पादन निर्णय ही सभी कुछ नहीं होते ।

10. उत्तर- बाजार मूल्य और सामान्य मूल्य में आपस में गहरा संबंध होता है। सामान्य मूल्य सामान्यतः लागत मूल्य के बराबर होता है और यह स्थिर प्रवृत्ति का होता है

11. उत्तर- एक माइक्रोवेव ओवन या बाइसिकल जो उपभोक्ता को बेचे जाते हैं, एक अन्तिम वस्तु अथवा उपभोक्ता वस्तु है; जबकि जो कॉम्पोनेन्ट उन वस्तुओं में उपयुक्त होने के लिए बेचे जाते हैं

www.portofstudy.com

12. उत्तर- स्वचालित निवेश वह निवेश है जो आय तथा उत्पादन की मात्रा के स्थान पर बाहरी तत्वों पर निर्भर करता है। यह निवेश आय प्रेरित नहीं होता। इस प्रकार यह निवेश आय में होने वाले परिवर्तन के आधार पर नहीं किया जाता है।

13. उत्तर- प्रत्येक देश कुछ वस्तुओं का आयात करता है तथा कुछ अन्य वस्तुओं का निर्यात करता है। आयात तथा निर्यात के बीच मूल्यों में अंतर को व्यापार संतुलनधनात्मक तथा रणात्मक दोनो प्रकार का होता है।

14. उत्तर- भुगतान शेष का चालू खाता व्यापार संतुलन, शुद्ध कारक आय और शुद्ध स्थानान्तरण भुगतान का योग है। **BOP** का चालू खाता या तो सकारात्मक अर्थ अधिशेष या नकारात्मक अर्थ आभाव है।

15. उत्तर- विनिमय की दर के बढ़ने का प्रधान कारण चाँदी की कीमत में वृद्धि थी। चाँदी की कीमत इतनी बढ़ गई थी कि भारत का चाँदी का रुपया प्रामाणिक सिक्का हो गया।

16. उत्तर- अधिकतम लाभ की स्थिति उस अवस्था में होती है जब फर्म की सीमान्त आय (**MR**) उसकी सीमान्त लागत (**MC**) के बराबर हो। ... **MC** सीमान्त लागत वक्र है तथा **MR** सीमान्त आगम वक्र है

17. उत्तर- बाजार किसी विशेष स्थान तक सीमित नहीं होना चाहिए । अर्थशास्त्र में क्रेताओं तथा विक्रेताओं के व्यक्तिगत सम्पर्क के बिना भी बाज़ार का अस्तित्व हो सकता है ।

प्रश्न संख्या 31 से 38 तक दीर्घ उत्तरीय हैं । किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित है

31. उत्तर – आपूर्ति की कीमत लोच वस्तु की कीमत के परिवर्तन और आपूर्ति की मात्रा में होने वाले अनुक्रियाशीलता की माप है अर्थात् किसी वस्तु की कीमत में प्रतिशत परिवर्तन के कारण आपूर्ति में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन की माप को वस्तु की आपूर्ति की कीमत लोच कहते हैं ।

32. उत्तर - एकाधिकारी प्रतियोगिता में फर्म विज्ञापन, बिक्री प्रोत्साहन तथा उत्पाद विकास आदि पर व्यय करती है । अतः इस बाज़ार में केवल कीमत उत्पादन निर्णय ही सभी कुछ नहीं होते । बल्कि इसमें नीति से जुड़े विज्ञापन, बिक्री - प्रोत्साहन, उत्पाद - विकास तथा गुणवत्ता परिवर्तन आदि को भी ध्यान में रखा जाता है ।

www.patnastudy.com

34. उत्तर – आय में वृद्धि होने पर सामान्य वस्तुओं की माँग में वृद्धि हो जाती है तथा आय में कमी होने पर माँग कम हो जाती है। यह निम्न रेखाचित्रों द्वारा समझा जा सकता है। उपरोक्त रेखाचित्रों से स्पष्ट है कि आय में वृद्धि से माँग वक्र दायीं तरफ तथा आय में कमी होने पर यह बायीं तरफ शिफ्ट हो जाता है। स्वाद, जनसंख्या, आय, स्थानापन्न या पूरक वस्तुओं की कीमतें और भविष्य की स्थितियों और कीमतों के बारे में अपेक्षाएं शामिल हैं।

35. उत्तर – आय का चक्रीय प्रवाह या चक्रीय प्रवाह अर्थव्यवस्था का एक मॉडल है जिसमें प्रमुख विनिमयों को आर्थिक प्रतिनिधियों के बीच धन, वस्तुओं और सेवाओं आदि के प्रवाह के रूप में दर्शाया जाता है। एक बंद परिपथ में विनिमय किए गए पैसे और सामान का प्रवाह मूल्य के अनुरूप होता है, लेकिन विपरीत दिशा में चलता है।